

नईदुनिया

शाहपुर के लाल अन्जेश जोशी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर बढ़ाया प्रदेश का मान, आयरनमैन 70.3 प्रतियोगिता की पूरी



धर्मशाला

कांगड़ा जिला के शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के कुठार गांव के युवा मरीन इंजीनियर अन्जेश जोशी ने फ्लोपीस के सुबिके वे में आयोजित विश्व प्रसिद्ध एंड्रोरेंस प्रतियोगिता आयरनमैन 70.3 को सफलतापूर्वक पूरा कर हिमाचल प्रदेश और देश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। उधर अपने घर रैत पहुंचने पर शाहपुर के विधायक एवं उप मुख्य सचेतक केवल सिंह पटानिया ने स्थानीय जनता के साथ अन्जेश जोशी का गर्वजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक ने उन्हें शाल एवं हिमाचली टोपी

पहनकर सम्मानित किया तथा उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि अन्जेश ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ इच्छाशक्ति से क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। अन्जेश जोशी ने यह कठिन प्रतियोगिता 6 घंटे 13 मिनट 53 सेकंड में पूरी की। उन्होंने 30-34 वर्ष आयु वर्ग में 52 प्रतिभागियों के बीच 22वां स्थान प्राप्त किया, जबकि कुल 470 अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों में 142वां रैंक हासिल की। गौरवलेख है कि आयरनमैन 70.3 दुनिया की सबसे कठिन सहनशक्ति प्रतियोगिताओं में शामिल है, जिसमें

प्रतिभागियों को लगातार 1.9 किलोमीटर तैराकी, 90 किलोमीटर साइकिलिंग और 21.1 किलोमीटर हाफ मैराथन दौड़ पूरी करनी होती है। पेशे से मरीन इंजीनियर अन्जेश ने समुद्र में नौकरी के दौरान जहाज पर उपलब्ध सीमित संसाधनों के बीच ट्रेडमिल और स्टेपनरी बाइक के सहारे महीनों तक कठिन अभ्यास किया। फ्लोपीस की भीषण गर्मी, उमस और तेज हवाओं जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करते हुए उन्होंने अपनी शारीरिक क्षमता और मानसिक दृढ़ता का शानदार परिचय दिया। अन्जेश जोशी गांव कुठार, तहसील शाहपुर, जिला कांगड़ा के

निवासी हैं। उनके पिता संजय जोशी सीआरपीएफ से सेवानिवृत्त सब-इंस्पेक्टर हैं, जबकि माता अंजना जोशी वर्तमान में झरेड पंचायत की प्रधान हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा केवी जम्मु एवं भनाला से प्राप्त करने के बाद पुणे के प्रतिष्ठित तुलानी मैरीटाइम इंस्टीट्यूट से बी.टेक (मरीन इंजीनियरिंग) की शिक्षा ग्रहण की। अन्जेश की इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। विधायक केवल सिंह पटानिया ने उनके उवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी सफलता युवा पीढ़ी को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए प्रेरित करेगी।

न्यूज़ ब्रीफ

आस्ट्रेलियन ओपन 2026 के सेमीफाइनल में हार्री सिंधु, यामागुची ने रोका खिताबी अभियान



सिडनी। भारत की स्टार शटलर और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का आस्ट्रेलियन ओपन 2026 में शानदार सफर सेमीफाइनल में समाप्त हो गया। शनिवार को खेले गए महिला एकल मुकाबले में उन्हें मौजूदा विश्व चैंपियन जापान की अकाने यामागुची ने 22-20, 21-12 से हराया। मुकाबले की शुरुआत सिंधु ने दमदार अंदाज में की और पहले गेम के अधिकांश समय बढ़त बनाए रखी। हालांकि यामागुची ने लगातार वापसी करते हुए मुकाबले को ड्यूस तक पहुंचाया और अंततः पहला गेम अपने नाम कर लिया। पहले गेम की जीत से मिली लय को जापानी खिलाड़ी ने दूसरे गेम में भी बरकरार रखा। सिंधु ने शुरुआती बढ़त बनाई, लेकिन इसके बाद यामागुची ने लगातार अंक जुटाते हुए 18-9 की मजबूत बढ़त हासिल कर ली। अंत में सिंधु का शाट नेट में जाने के साथ मुकाबला समाप्त हुआ। सिंधु ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की चैन सु-यू को मात्र 27 मिनट में 21-6, 21-9 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई थी। विश्व रैंकिंग में 10वें स्थान पर काबिज सिंधु की यह 2026 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सत्र में दूसरी सेमीफाइनल उपस्थिति रही। इससे पहले वह जनवरी में मलेशिया ओपन के अंतिम चार तक पहुंची थी। सिंधु इस टूर्नामेंट के जरिए सैयद मोदी इंटरनेशनल 2024 के बाद अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीतने की कोशिश कर रही थी। हालांकि खिताबी दौड़ यहीं समाप्त हो गई, लेकिन उनका सेमीफाइनल तक पहुंचना इस सत्र में उनकी बेहतरीन लय का संकेत माना जा रहा है।

तेजस शिर्से ने बनाया नया राष्ट्रीय रिकार्ड, राष्ट्रमंडल खेलों के लिए किया व्वालीफाई

लुधियाना। भारत के उभरते एथलीट तेजस शिर्से ने पंजाब के गुरु नानक स्टेडियम में आयोजित इंडियन एथलेटिक्स सीरीज-9 में पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में नया राष्ट्रीय रिकार्ड बनाकर इतिहास रच दिया। 24 वर्षीय तेजस ने यह रस 13.27 सेकंड में पूरी की और अपना ही पुराना राष्ट्रीय रिकार्ड तोड़ दिया। इससे पहले उन्होंने वर्ष 2024 में 13.41 सेकंड का राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया था। तेजस का यह प्रदर्शन इस सत्र में एशियाई खिलाड़ियों के बीच पुरुष 110 मीटर बाधा दौड़ का छठा सबसे तेज समय भी बन गया है। इस शानदार प्रदर्शन के साथ तेजस ने इसी वर्ष होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भी व्वालीफाई कर लिया है। तेजस इससे पहले एशियाई खेलों के लिए भी अपना स्थान पक्का कर चुके हैं। उन्होंने पिछले महीने वेनिस के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित इंडियन एथलेटिक्स सीरीज-6 में स्वर्ण पदक जीतकर एशियाई खेलों का टिकट हासिल किया था। लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे तेजस शिर्से अब भारतीय एथलेटिक्स के सबसे मजबूत दौड़दारों में गिने जा रहे हैं और आने वाले बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उनसे पदक की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

छोले-कुलचे की रेहड़ी से टीम इंडिया तक पहुंचा अर्जुन, अंडर-19 टीम में चयन से जालंधर में खुशी की लहर

जालंधर। दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और परिवार के सहयोग के दम पर जालंधर के युवा क्रिकेटर अर्जुन राजपूत ने वह उपलब्धि हासिल की है, जिसका सपना लाखों खिलाड़ी देखते हैं। शहर के राम नगर क्षेत्र में छोले-कुलचे की रेहड़ी लगाने वाले होती राम के बेटे अर्जुन का चयन भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम में हुआ है। आगामी 4 जुलाई को भारतीय टीम श्रीलंका दौरे के लिए रवाना होगी, जहां अर्जुन पहली बार देश की नीली जर्सी पहनकर मैदान में उतरेंगे। उनके चयन से पूरे परिवार और इलाके में खुशी का माहौल है। बाएं हाथ के बल्लेबाज और दाएं हाथ के आफ स्पिन गेंदबाज अर्जुन ने बेहद साधारण परिस्थितियों में अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने क्रिकेट की बारीकियां हरभजन सिंह क्रिकेट अकादमी में सीखीं और लगातार मेहनत के बल पर राष्ट्रीय स्तर तक का सफर तय किया। इस दौरान उनके कोच विक्रम सिद्धू ने भी उन्हें हर कदम पर मार्गदर्शन और प्रोत्साहन दिया। भारतीय टीम में चयन होने के बाद अर्जुन ने कहा कि उन्होंने आठ-नौ वर्ष की उम्र से क्रिकेट खेलना शुरू किया था और आज यह उपलब्धि हासिल कर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं।

महिला टी20 विश्व कप 2026: हाज के ऐतिहासिक शतक से इंग्लैंड की धमाकेदार शुरुआत, श्रीलंका को 87 रन से हराया

एजबेस्टन। महिला टी20 विश्व कप 2026 के उद्घाटन मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को शुकवार देर रात 87 रन से हराकर टूर्नामेंट का विजयी आगाज किया। इंग्लैंड की जीत की सबसे बड़ी नायिका सलामी बल्लेबाज डैनी वायट-हाज रहीं, जिन्होंने 62 गेंदों में नाबाद 105 रन की ऐतिहासिक पारी खेली। यह महिला टी20 विश्व कप इतिहास का केवल सातवां शतक रहा।

एजबेस्टन में खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 1 विकेट पर 219 रन बनाए, जो महिला टी20 विश्व कप इतिहास का सबसे बड़ा टीम स्कोर भी बन गया। इंग्लैंड की शुरुआत तेज रही। एमी जोन्स ने 38 गेंदों पर 53 रन बनाए जबकि कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने सिर्फ 22 गेंदों में 46 रन की तूफानी पारी खेली। वायट-हाज और एमी जोन्स ने पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। वायट-हाज ने अपनी पारी में 13 चौकों और एक छक्का लगाया तथा सिर्फ 32 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। अंतिम ओवरों में साइवर-ब्रंट और वायट-हाज ने तेजी से रन बटोरे। आखिरी ओवर में इंग्लैंड ने 26 रन जोड़े और वायट-हाज ने अपना शतक पूरा करते हुए टीम को 200 के पार पहुंचा दिया। 220 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत

बेहद खराब रही। टीम ने पावरप्ले में ही 37 रन पर तीन विकेट गंवा दिए। विश्वमी गुणरत्ने, चमारी अथापथु और इमेशा दुलानी सस्ते में आउट हो गईं। इंग्लैंड की गेंदबाज फ्रेंचा केम्प ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट लेकर श्रीलंका की कमर तोड़ दी। शाल्टे डीन और सोफी एक्लेस्टोन ने दो-दो विकेट हासिल किए। श्रीलंका की ओर से निलाक्षिका सिल्ला ने 33 गेंदों पर 39 रन बनाए, लेकिन टीम 20 ओवर में 132 रन ही बना सकी।

संक्षिप्त स्कोर: इंग्लैंड - 219/1 (20 ओवर) डैनी वायट-हाज 105* (62), एमी जोन्स 53 (38), नैट साइवर-ब्रंट 46 (22) श्रीलंका - 132 (20 ओवर) निलाक्षिका सिल्ला 39 (33) फ्रेंचा केम्प 4/22, शाल्टे डीन 2/18, सोफी एक्लेस्टोन 2/27 परिणाम: इंग्लैंड 87 रन से विजयी।

एमपीएल वुमंस टी-20 : ग्वालियर शेरनिस ने बुल्स को रौंदा 8 विकेट की धमाकेदार जीत के साथ फाइनल में प्रवेश

उन्नति बागोरा (6 विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद कप्तान नुजहत परवीन की नाबाद 44 रनों की पारी ने बुंदेलखंड बुल्स को 8 विकेट से करारी शिकस्त देकर फाइनल का टिकट कटा लिया है। बुंदेलखंड बुल्स द्वारा दिए गए 94 रनों के छोटे लक्ष्य को ग्वालियर शेरनिस ने बेहद आसानी से 16.3 ओवर में महज 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया। ग्वालियर की इस एकतरफा जीत की सूत्रधार कप्तान नुजहत मसीह परवीन रहीं, जिन्होंने गोर्च से अगुवाई करते हुए बेहतरीन पारी खेली।

इससे पहले टास हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बुंदेलखंड बुल्स की शुरुआत बेहद खराब रही। ग्वालियर की कर्सी हुई गेंदबाजी और सटीक लाइन-लेंथ के सामने बुल्स की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर केवल 93 रन ही बना सकी। उन्नति बागोरा की घातक गेंदबाजी, घटकाए 6 विकेट बुंदेलखंड बुल्स को सस्ते में समेटने में ग्वालियर शेरनिस की गेंदबाज व प्लेयर आफ द मैच रही उन्नति बागोरा ने मुख्य भूमिका निभाई। उन्नति ने अपने 4 ओवर के कोटे में मात्र 15 रन खर्च करते हुए 6 बल्लेबाजों को



पवेलियन की राह दिखाई। उनकी इस घातक गेंदबाजी के कारण बुल्स का मध्यक्रम पूरी तरह ताश के पत्तों की तरह ढह गया। बुल्स की ओर से मुस्कान बिस्वास ने सर्वाधिक 35 गेंदों में 28 रन और यशस्विनी बोहरे ने 15 रनों का योगदान दिया, जबकि टीम की अन्य सात बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सकीं। ग्वालियर की ओर से खुशी यादव ने भी किरफायती गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 11 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए।

कप्तान नुजहत और आशला पाटीदार की टोस शुरुआत छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी ग्वालियर शेरनिस



को ओपनर आशला पाटीदार और कप्तान नुजहत मसीह परवीन ने 46 रनों की टोस शुरुआत देकर मैच को एकतरफा कर दिया। आशला 32 गेंदों में 4 चौकों की मदद से 26 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद शशाना स्वामी (3 रन) दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से रन आउट हो गईं। इसके बाद कप्तान नुजहत परवीन ने मैदान पर कदम रख चुकीं सौम्या तिवारी के साथ मिलकर टीम को कोई और झटका नहीं लगने दिया। नुजहत ने 46 गेंदों में 5 चौकों की मदद से नाबाद 44 रनों की मैच जिताऊ कप्तानी पारी खेली, जबकि सौम्या तिवारी 11 गेंदों में 9 रन बनाकर नाबाद लौटीं। बुंदेलखंड की ओर से एकमात्र विकेट पायल बाल्मिक को मिला।

फीफा विश्व कप 2026: लारिन के देर से किए गोल ने कनाडा को हार से बचाया



नई दिल्ली। विश्व कप 2026 के ग्रुप-बी मुकाबले में शुकवार को सह-मेजबान कनाडा ने आखिरी समय तक संघर्ष करते हुए बोरिनिया और हर्जेगोविना को खिलाफ 1-1 से ड्रा खेल लिया। मुकाबले में कनाडा लंबे समय तक हार की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा था, लेकिन विकल्प खिलाड़ी के रूप में उतरे काइल लारिन ने टीम को अहम अंक दिला दिया। कनाडा इस मुकाबले में अपने कप्तान अल्फोंसो डेविस के बिना उतरा, जो हेमरिस्टिंग चोट से उबर रहे हैं। बोरिनिया ने मैच के 21वें मिनट में बढ़त बनाई। कर्नर से आए गेंद पर जोवो लुकिच ने शानदार फिनिश करते हुए अंतरराष्ट्रीय करियर का अपना पहला गोल दागा और टीम को 1-0 से आगे कर दिया। दूसरे हाफ में कनाडा ने लगातार आक्रमण किए और 53वें मिनट में बराबरी का सुनहरा मौका मिला, लेकिन रिची लारिया का शाट बोरिनिया के डिफेंडर सीड कोलासिनिक ने गोल लाइन के पास शानदार तरीके से रोक दिया। इसके बाद कनाडा ने लगातार दबाव बनाए रखा, लेकिन गोल के सामने सटीकता की कमी दिखी और बोरिनिया की टीम बढ़त बचाने में सफल नजर आने लगी। हालांकि 76वें मिनट में मैदान पर आए काइल लारिन ने मैच का रुख बदल दिया। मैदान में आने के तीन मिनट बाद ही उन्होंने बावस के अंदर घूमकर जोरदार शाट लगाया, जो डिफेंडर लेंकर गोल में बदल गया और कनाडा ने 1-1 की बराबरी कर ली।

विश्व कप से पहले जापान को बड़ा झटका, कप्तान वातारू एंडो ने चोट के कारण लिया संन्यास

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के आगाज से ठीक पहले जापान की फुटबाल टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के कप्तान और इंग्लिश क्लब लिवरपूल के स्टार मिडफील्डर वातारू एंडो चोट के कारण न केवल विश्व कप से बाहर हो गए हैं, बल्कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास लेने की भी घोषणा कर दी है। 33 वर्षीय एंडो के इस फैसले के साथ जापान की राष्ट्रीय टीम के साथ उनका लगभग एक दशक लंबा सफर समाप्त हो गया। जापान का पहला मुकाबला 15 जून को ग्रुप एफ में नौदरलैंड्स के खिलाफ खेला जाना है, लेकिन उससे पहले कप्तान के बाहर होने की खबर ने टीम को तैयारियों को प्रभावित किया है। एंडो ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने संन्यास और विश्व कप टीम से हटने की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि चोट से उबरकर टूर्नामेंट में खेलने के लिए उन्होंने हर संभव प्रयास किया, लेकिन पूरी तरह फिट नहीं हो सके। अपने भावुक संदेश में एंडो ने कहा कि उन्होंने वापसी के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी



और इस बात का उन्हें कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने स्वीकार किया कि विश्व कप में हिस्सा नहीं ले पाने का दुख जरूर है, लेकिन उससे कहीं अधिक गर्व उन्हें इस बात का है कि लतार विश्व कप के बाद जापानी टीम ने कप्तान प्रगति की और खुद को मजबूत बनाया। एंडो ने मौजूदा जापानी टीम पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि वर्तमान टीम बेहद प्रतिभाशाली

और मजबूत है। उनके अनुसार खिलाड़ी किसी भी चुनौती का सामना करने की क्षमता रखते हैं और इस विश्व कप में ऐसा प्रदर्शन कर सकते हैं, जो पहले कभी देखने को नहीं मिला। उन्होंने उम्मीद जताई कि जापान भविष्य में विश्व कप जीतने का अपना सपना जरूर पूरा करेगा।

वातारू एंडो जापान के सबसे भरोसेमंद मिडफील्डरों में गिने जाते हैं। उनकी नेतृत्व क्षमता, खेल की समझ और मैदान पर अनुशासन ने उन्हें राष्ट्रीय टीम का अहम स्तंभ बनाया। पिछले दस वर्षों में उन्होंने जापानी फुटबाल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अब एंडो एक प्रशंसक के रूप में टीम का समर्थन करेंगे। उनके संन्यास से जापानी फुटबाल का एक महत्वपूर्ण अंश समाप्त हो गया है, लेकिन उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों के खिलाड़ियों को प्रेरित करती रहेगी। विश्व कप से ठीक पहले कप्तान की विदाई जापान के लिए भावनात्मक क्षण है, वहीं टीम के सामने उनके बिना बेहतर प्रदर्शन करने की चुनौती भी होगी।

महिला टी20 विश्व कप 2026: हाज के ऐतिहासिक शतक से इंग्लैंड की धमाकेदार शुरुआत, श्रीलंका को 87 रन से हराया

एजबेस्टन। महिला टी20 विश्व कप 2026 के उद्घाटन मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को शुकवार देर रात 87 रन से हराकर टूर्नामेंट का विजयी आगाज किया। इंग्लैंड की जीत की सबसे बड़ी नायिका सलामी बल्लेबाज डैनी वायट-हाज रहीं, जिन्होंने 62 गेंदों में नाबाद 105 रन की ऐतिहासिक पारी खेली। यह महिला टी20 विश्व कप इतिहास का केवल सातवां शतक रहा।



एजबेस्टन में खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 1 विकेट पर 219 रन बनाए, जो महिला टी20 विश्व कप इतिहास का सबसे बड़ा टीम स्कोर भी बन गया। इंग्लैंड की शुरुआत तेज रही। एमी जोन्स ने 38 गेंदों पर 53 रन बनाए जबकि कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने सिर्फ 22 गेंदों में 46 रन की तूफानी पारी खेली। वायट-हाज और एमी जोन्स ने पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। वायट-हाज ने अपनी पारी में 13 चौकों और एक छक्का लगाया तथा सिर्फ 32 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। अंतिम ओवरों में साइवर-ब्रंट और वायट-हाज ने तेजी से रन बटोरे। आखिरी ओवर में इंग्लैंड ने 26 रन जोड़े और वायट-हाज ने अपना शतक पूरा करते हुए टीम को 200 के पार पहुंचा दिया। 220 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत

बेहद खराब रही। टीम ने पावरप्ले में ही 37 रन पर तीन विकेट गंवा दिए। विश्वमी गुणरत्ने, चमारी अथापथु और इमेशा दुलानी सस्ते में आउट हो गईं। इंग्लैंड की गेंदबाज फ्रेंचा केम्प ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट लेकर श्रीलंका की कमर तोड़ दी। शाल्टे डीन और सोफी एक्लेस्टोन ने दो-दो विकेट हासिल किए। श्रीलंका की ओर से निलाक्षिका सिल्ला ने 33 गेंदों पर 39 रन बनाए, लेकिन टीम 20 ओवर में 132 रन ही बना सकी।

संक्षिप्त स्कोर: इंग्लैंड - 219/1 (20 ओवर) डैनी वायट-हाज 105* (62), एमी जोन्स 53 (38), नैट साइवर-ब्रंट 46 (22) श्रीलंका - 132 (20 ओवर) निलाक्षिका सिल्ला 39 (33) फ्रेंचा केम्प 4/22, शाल्टे डीन 2/18, सोफी एक्लेस्टोन 2/27 परिणाम: इंग्लैंड 87 रन से विजयी।